## गेहूं उत्पादों के लेबल ठीक करने को तीन महीने और मिले

नई उद्दल्लए, पकेट्र : भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने कारोबारियों को खाद्य प्रोडक्ट्स के लेबल बदलने के लिए तीन महीने का और वक्त दिया है। खाद्य सुरक्षा नियामक ने कहा है कि नए लेबल पर 'आटा' का अंग्रेजी शब्द 'व्हीट फ्लोर' और 'मैदा' का अंग्रेजी शब्द 'रिफाइंड व्हीट फ्लोर' लिखा जाए। लेबल बदलने के लिए पहले दिए गए आदेश की मोहलत 30 अप्रैल को समाप्त हो गई।

हम भारत में ग्रामीण संपर्क, शहरी विकास और कौशल विकास परियोजनाओं में निवेश करते रहेंगे।
—ताकेहिको नकाओ
प्रेसिडेंट, एडीबी

| संसेक्स | निफ्टी | सोना (प्रति दस ग्राम) | चांदी (प्रति किलोग्राम) | डॉलर | क्रूड (ब्रेंट) (प्रति बैरल) |
|---|---|---|---|---|---|
| 38,981.43 | 11,724.75 | ₹ 32,620 | ₹ 37,700 | ₹ 69.37 | $ 70.36 |
| 50.12 | 23.40 | ₹ 250 | ₹ 825 | ₹ 0.19 | |

# अक्षय तृतीया पर सोने की बिक्री में भारी वृद्धि का अनुमान

सोने के प्रति भारतीयों का अनुराग किसी से छिपा नहीं है। इस कीमती धातु को खरीदने के लिए साल भर जिस पवित्र मौके की हम सब बाट जोहते हैं, वह आ चुका है। इस खास तिथि पर रिकॉर्ड बिक्री के लिए कई स्कीमों के साथ सोना कारोबारी भी तैयार हैं। सात मई को अक्षय तृतीया है। सनातन धर्म में वैशाख शुक्ल तृतीया का मान अक्षय तृतीया के रूप में है। तृतीया तिथि छह-सात मई की भोर 3.22 बजे लग रही है जो सात -आठ मई की भोर 2.20 बजे तक रहेगी। इस बार यह तिथि बेहद शुभ संयोग संजोए है। स्थिर योग इसे बेहद खास बना रहा है। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार अक्षय तृतीया व स्थिर योग के संयोग से तिथि विशेष में व्रत-पर्व-दान और भी पुण्य फलदायी होगा।

### मिलता है अक्षय पुण्य

मान्यता है कि इस तिथि में दान,स्नान होम-जप आदि कर्मों का फल अक्षय होता है। अक्षय पुण्य की दृष्टि से ही इस तिथि को अक्षय तृतीया कहा जाता है। इस दिन स्वर्ण खरीदने पर वह भी अक्षय हो जाता है। स्वर्ण खरीदारी का शुभ समय दोपहर 12.20 बजे से 2.24 बजे तक है। वैसे इस दिन कभी भी खरीदारी की जा सकती है।

### होती है अक्षय समृद्धि

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य आनंद शंकर व्यास बताते हैं कि अक्षय तृतीया खरीदी के लिए श्रेष्ठ मुहूर्त है। इस दिन सोना, चांदी, वस्त्र और बर्तन खरीदने का विशेष महत्व है। इस बार रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि का चंद्रमा मुहूर्त को और विशेषता प्रदान कर रहा है। इस दिन दान का भी बहुत महत्व है इसलिए कई लोग कन्यादान के लिए भी अक्षय तृतीया का दिन चुनते हैं। दान के लिए भी इस दिन खरीदी करना श्रेष्ठ माना गया है। अखंड समृद्धि मिलती है। ज्योतिषाचार्य अमर डब्बावाला के अनुसार अक्षय तृतीया पर खरीदी को लेकर किसी शास्त्र में कोई विशेष बात नहीं की गई है। मगर यह मान्यता है कि इस दिन की गई खरीदी अखंड समृद्धि प्रदान करती है।

### भाग्य वृद्धि का सूचक

हरिद्वार के ज्योतिषाचार्य पंडित शक्तिधर शर्मा शास्त्री के अनुसार अक्षय तृतीया को अक्षय तीज नाम से भी जाना जाता है। इसे भगवान विष्णु का दिन माना गया है। वैदिक ग्रंथ एवं पुराणों के अनुसार त्रेता युग का आरंभ अक्षय तृतीया के दिन से ही हुआ था। ज्योतिषाचार्य शर्मा बताते हैं कि अक्षय तृतीया को भाग्य में वृद्धि का सूचक भी माना गया है। इसीलिए इस दिन लोग सोना, स्वर्ण आभूषण और स्वर्ण मुद्राएं खरीदते हैं, ताकि उनकी समृद्धि आने वाले सालों में भी बनी रहे। लोगों का विश्वास है कि इस दिन खरीदे गए सोने पर पाप ग्रह की दृष्टि नहीं पड़ती।

### 16 साल बाद अदभुत संयोग

जालंधर के ज्योतिषाचार्य पंडित आदित्य प्रसाद शुक्ला के मुताबिक माह भर तिथियों का घटना-बढना लगा रहता है जबकि, अक्षय तृतीया पर सूर्य व चंद्र दोनों एक ही राशि में अपने चरम बिंदु पर होते हैं, जिससे इस दिन किए गए शुभ कार्य, खरीदारी, दान व पूजा का महत्व बढ़ जाता है। श्री हरि दर्शन मंदिर अशोक नगर के प्रमुख पुजारी पंडित प्रमोद शास्त्री बताते हैं कि अक्षय तृतीया पर इस बार 16 वर्ष बाद सूर्य, शुक्र, राहु व चंद्र उच्च राशि वृष में प्रवेश करेंगे। इसके साथ ही इसी दिन भगवान परशुराम का अवतार दिवस तथा त्रेता युग की शुरुआत का संयोग भी बन रहा है। ऐसा वर्ष संयोग वर्ष 2003 में बना था।

### अक्षय तृतीया पर सोने का भाव

| साल | भाव (रुपये/10 ग्राम) |
|---|---|
| 18 अप्रैल 2018 | 31,535 |
| 28 अप्रैल 2017 | 28,861 |
| 9 मई 2016 | 29,860 |
| 21 अप्रैल 2015 | 26,938 |
| 2 मई 2014 | 28,865 |
| 13 मई 2013 | 26,829 |
| 24 अप्रैल 2012 | 28,852 |
| 6 मई 2011 | 21,736 |
| 16 मई 2010 | 18,167 |

स्रोत- गोल्ड प्राइस इंडिया डॉट कॉम

## कारपोरेट हलचल

### डिप्टी सीएजी का एनटीपीसी दादरी दौरा

डिप्टी सीएजी मोहन वेंकटेश ने अपनी टीम के साथ पिछले दिनों एनटीपीसी दादरी का दौरा किया। उनका स्वागत मुख्य महाप्रबंधक एके दास और क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक आरएस राठी ने किया। इस दौरान वेंकटेश ने कोल स्टेशन स्टेज-2, गैस स्टेशन, सोलर प्लांट, ईको पार्क और एचवीडीसी का दौरा किया।

### एमएमटीसी का गोल्ड फेस्टिवल

अक्षय तृतीया के अवसर पर एमएमटीसी इस वर्ष फिर से गोल्ड फेस्टिवल का आयोजन कर रही है। उत्सव 4 से 8 मई तक एमएमटीसी कॉलोनी के कम्यूनिटी सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष खासियत है चांदी का 50 ग्राम का सिक्का जिस पर आठ भगवानों के रंगीन चित्र अंकित हैं। एमएमटीसी पहली बार इस वर्ष सोने का 8 ग्राम का सिक्का भी प्रस्तुत कर रही है।

### नागपाल एनएचबी के सीवीओ

केंद्रीय सतर्कता आयोग की सलाह पर सरकार ने सतीश के नागपाल को नेशनल हाउसिंग बैंक का चीफ विजिलेंस ऑफिसर नियुक्त किया है। इससे पहले नागपाल भारतीय स्टेट बैंक में मुख्य महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। उन्हें बैंकिंग क्षेत्र का लंबा अनुभव है।

### आरईसी में वेतनमान समझौता

सार्वजनिक संस्थान आरईसी लिमिटेड में नॉन एक्जीक्यूटिव श्रेणी के कार्मिकों के नए वेतनमान निर्धारण के लिए आपसी सहमति से तैयार किये गये वेज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किये गये। इस नए वेतनमान के निर्धारण संबंधी सिफारिशों को पिछले वर्ष सरकार ने मंजूरी दी थी।

### स्कोप का एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम

स्कोप चेयरमैन और एनएलसी के सीएमडी राकेश कुमार ने स्कोप द्वारा आयोजित एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम के समापन सत्र को संबोधित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन स्कोप ने एसपी जैन संस्थान के साथ मिलकर किया था।

### हुडको का फाउंडेशन डे

हुडको के 49वें स्थापना दिवस के मौके पर डॉ. एम रविकांत ने सालाना प्रदर्शन साझा किया। इंडिया हैबिटेट सेंटर के अध्यक्ष जी. पार्थासारथी ने हुडको को उसके प्रदर्शन के लिए बधाई दी। इस मौके पर एक स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

### सिपेट मुरथल में वार्षिकोत्सव

मुरथल स्थित सिपेट में गत 26 अप्रैल को वार्षिकोत्सव समारोह उमंग 2019 का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रधान निदेशक और प्रमुख डॉ. एसएन यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस आयोजन में सिपेट के छात्रों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

**हाल** ▶ पिछले आठ महीने में सबसे कम रही सेक्टर के विकास की रफ्तार

# मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर पर चुनावी सुस्ती

### आम चुनाव की अनिश्चितता और चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल का पड़ा असर

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** देश के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के विकास की रफ्तार अप्रैल में पिछले आठ महीने में सबसे कम रही है। गुरुवार को जारी एक प्रमुख मासिक आंकड़ों के मुताबिक आम चुनाव की अनिश्चितता और चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल के कारण इस सेक्टर में सुस्ती का माहौल रहा। निक्केई इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआइ) अप्रैल में घटकर 51.8 पर आ गया, जो मार्च में 52.6 पर था। यह अगस्त 2018 के बाद मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधियों का सबसे कमजोर प्रदर्शन है।

यह लगातार 21वां महीना है, जब मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआइ 50 से ऊपर रहा है। पीएमआइ की शब्दावली में इंडेक्स का 50 से ऊपर रहना मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधियों में विस्तार का और इसका 50 से नीचे रहना सेक्टर में संकुचन को दर्शाता है। इस तरह से देखा जाए, तो अप्रैल के मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआइ आंकड़े से पता चलता है कि मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधियों में विस्तार तो हुआ है, लेकिन इसकी रफ्तार पिछले आठ महीने में सबसे कम रही है।

मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआइ के अप्रैल के आंकड़ों के अनुसार नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके कारण उत्पादन, रोजगार और कारोबारी माहौल भी प्रभावित हुआ। आइएचएस मार्किट की प्रधान अर्थशास्त्री और इस रिपोर्ट की लेखिका पॉलियाना डि लीमा ने कहा कि यद्यपि मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधियों में विकास दर्ज किया गया है, लेकिन विकास की रफ्तार में गिरावट जारी है। इसके अलावा एक तथ्य यह भी है कि पिछले एक साल से अधिक लंबी अवधि में रोजगार वृद्धि की रफ्तार सबसे धीमी रही है। इससे यह पता चलता है कि उत्पादकों को स्थिति में जल्द सुधार होने के आसार नहीं हैं।

लीमा ने कहा कि सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने मोटे तौर पर बताया कि चुनाव से पैदा हुआ व्यवधान मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में सुस्ती की सबसे प्रमुख वजह है। कंपनियां अपनी योजना पर देखा और इंतजार करो की नीति अपना रही है।

### आरबीआइ जून में फिर घटा सकता है मुख्य नीतिगत दर

सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक लागत की महंगाई 43 महीने में सबसे कम दर्ज की गई है। लीमा ने कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग अर्थव्यवस्था में प्राइसिंग का दबाव घटा है। लेकिन सेक्टर के विकास की रफ्तार भी धीमी हुई है। इसलिए पूरी संभावना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) जून में अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार तीसरी बार मुख्य नीतिगत दरों में कटौती कर सकता है। आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक 3-6 जून को होगी।

### बेरोजगारी की दर बढ़कर 7.6 फीसद हुई

**नई दिल्ली :** देश में बेरोजगारी की दर बढ़कर अप्रैल में 7.6 फीसद पर पहुंच गई। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआइई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक बेरोजगारी दर अक्टूबर 2016 के बाद ऊपरी स्तर पर है।

## सोना 250 रुपये लुढ़का, चांदी की कीमत 825 रुपये घटी

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** विदेशी बाजारों में कमजोर रुझान रहने और स्थानीय ज्वेलरों की ओर से भी मांग गिरने के कारण राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को सोना 250 रुपये लुढ़ककर 32,620 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के मुताबिक औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं की ओर से खरीदारी घटाए जाने के कारण चांदी भी 825 रुपये कमजोर होकर 37,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

सराफा कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय ज्वेलरों के बीच मांग घटने के साथ ही विदेशी बाजारों में रुझान कमजोर रहने से भी पीली धातु की कीमत घट गई। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की मुख्य ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं होने से भी सोने की कीमत प्रभावित हुई। न्यूयॉर्क में सोने में 1,271.50 डॉलर प्रति औंस (28.35 ग्राम) पर और चांदी में 14.72 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हुआ।

राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 फीसद खरा सोना 250 रुपये लुढ़ककर 32,620 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। 99.5 फीसद खरा सोना भी इतनी ही गिरावट के साथ 32,450 रुपये प्रति 10 ग्राम का रह गया। आठ ग्राम सोने की गिन्नी हालांकि 26,400 रुपये प्रत्येक के भाव पर कायम रही।

# जीएसटी में सुधार का मसौदा तैयार करने में जुटे अधिकारी

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

▶ अलग-अलग क्षेत्र के प्रतिनिधियों के सुझाये प्रस्तावों के आधार पर होंगे जरूरी बदलाव

नई सरकार बनने के बाद वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कुछ जरूरी बदलाव हो सकते हैं। जीएसटी काउंसिल के अधिकारियों ने इन संभावित सुधारों पर विचार मंथन शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि काउंसिल की अगली बैठक में इन बदलावों का प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक अर्थव्यवस्था के अलग-अलग क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने जीएसटी में विभिन्न बदलावों के संबंध में सुझाव दिए हैं। ये बदलाव जीएसटी के नियमों से लेकर कानून में संशोधन के बारे में हैं। काउंसिल की लॉ-कमेटी ने हाल में इन पर विचार किया है। अगले हफ्ते भी लॉ कमेटी की बैठक होने जा रही है, जिसमें इन प्रस्तावों पर विचार किया जायेगा। काउंसिल की इस कमेटी में केंद्र और राज्यों के अधिकारी शामिल हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि चुनाव खत्म होने और नई सरकार के गठन के बाद काउंसिल की अगली बैठक में इन सुझावों पर विचार किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि आने वाले समय में जीएसटी में विवाद निस्तारण तंत्र तथा मुनाफा-रोधी तंत्र और जीएसटी रिफंड की मौजूदा प्रक्रिया में जरूरी बदलाव किए जा सकते हैं। इस व्यवस्था को उपभोक्ताओं और व्यवसाइयों के अनुकूल बनाया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि जीसटी काउंसिल की 35वीं बैठक अब नयी सरकार बनने के बाद जून में होगी। नई सरकार भले ही किसी भी दल की बने, लेकिन जीएसटी के क्रियान्वयन को सरल बनाने के लिए जरूरी बदलाव किए जाने की पूरी उम्मीद है।

सूत्रों ने कहा कि उद्योग जगत के सुझावों को अमल में लाने के लिए अधिसूचना या सर्कुलर जारी किए जा सकते हैं। कुछ अन्य मुद्दों पर सरकार स्पष्टीकरण भी जारी कर सकती है।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी काउंसिल की अंतिम बैठक मार्च में केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली की अध्यक्षता में हुई थी। इसमें रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए जीएसटी की नई दरों के क्रियान्वयन का फॉर्मूला तय किया गया था।

## आइएलएंडएफएस अकाउंट्स को एनपीए घोषित करने की इजाजत

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आइएलएंडएफएस) ग्रुप और उसकी जिन कंपनियों ने भुगतान पर डिफॉल्ट किया है, उसके अकाउंट्स को बैंक अब फंसे कर्ज (एनपीए) की श्रेणी में रख सकते हैं। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनक्लैट) ने गुरुवार को बैंकों को इसकी इजाजत दे दी है।

एनक्लैट के चेयरमैन जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने आइएलएंडएफएस ग्रुप और उसकी 300 कंपनियों के बकाये को एनपीए घोषित करने पर लगी रोक गुरुवार को हटा ली। हालांकि ट्रिब्यूनल ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि आइएलएफएस के अकाउंट्स को बैंक एनपीए तो घोषित कर सकते हैं, लेकिन रिकवरी प्रक्रिया शुरू नहीं कर सकते। एनक्लैट का मानना था कि आइएलएंडएफएस और उसकी ग्रुप कंपनियों की समाधान प्रक्रिया जब तक पूरी नहीं हो जाती, तब तक बैंकों को अपनी ओर से मदद जारी रखनी चाहिए।

# बैंकों के लिए इन्सॉल्वेंसी 'ऊंची दुकान फीका पकवान

**12** बड़े मामलों में 3.45 लाख करोड़ का बकाया, कर्जदाताओं को महज 73,220 करोड़ मिलने की आशा

▶ अब तक समाधान किये जा चुके मामलों में कर्जदाताओं को 90 फीसद तक का सहना पड़ा है नुकसान

**नई दिल्ली, आइएएनएस :** भारतीय रिजर्व ने फंसे कर्ज (एनपीए) के जिन 12 बड़े मामलों का इन्सॉल्वेंसी प्रक्रिया से समाधान किए जाने का निर्देश दिया था, उनमें कुल बकाया 3.45 लाख करोड़ रुपये का था। इन मामलों का कुल समाधान मूल्य 73,220.23 करोड़ रुपये है। इन्सॉल्वेंसी नियामक इन्सॉल्वेंसी एंड बैंक्रप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया (आइबीबीआइ) के आंकड़ों के मुताबिक अब तक जिन मामलों का समाधान हो चुका है, उनमें कर्जदाताओं को 90 फीसद तक का नुकसान सहना पड़ा है।

ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि इन संपत्तियों की वास्तविक कीमत क्या थी और इन्होंने कितना अधिक कर्ज ले रखा था। इन 12 बड़े मामलों में से छह की समाधान योजना मंजूर हो चुकी है। इन छह मामलों में अब तक सर्वाधिक वसूली का दावा भूषण स्टील के मामले में किया गया है। सबसे कम महज 11 फीसद वसूली का दावा आलोक इंडस्ट्रीज के मामले में किया गया है। एमटेक ऑटो की मंजूर हुई समाधान योजना को लागू नहीं किया जा सका, इसलिए इसकी प्रक्रिया को फिर से शुरू किया गया है। अन्य एनपीए खाते अलग-अलग चरणों में हैं।

समाधान होने वाले छह मामलों में इलेक्ट्रोस्टील का बकाया 13,175 करोड़ रुपये था, जबकि वसूली 5,320 करोड़ रुपये या 40.38 फीसद की हुई। भूषण स्टील मामले में बकाया 56,022 करोड़ रुपये का था, जबकि वसूली 35,571 करोड़ रुपये या 63.50 फीसद हुई। मोन्नेट इस्पात एंड एनर्जी के मामले में बकाया 11,015 करोड़ रुपये का था और वसूली 2,892 करोड़ रुपये या 26.26 फीसद की हुई। एस्सार स्टील मामले में बकाया 49,473 करोड़ रुपये था, जबकि 42,000 करोड़ की समाधान योजना को मंजूरी मिली है। आलोक इंडस्ट्रीज के मामले में बकाया 29,523 करोड़ रुपये था, जबकि वसूली 5,052 करोड़ रुपये या 17.11 फीसद की हुई। ज्योति स्ट्रक्चर के मामले में बकाया 7,365 करोड़ रुपये का था, जबकि वसूली 3,684 करोड़ की हुई।

### जेपी इन्फ्रा के घर खरीदारों को एनबीसीसी पर अधिक भरोसा

**नोएडा :** कर्ज में डूबी कंपनी जेपी इन्फ्राटेक की नोएडा की आवासीय परियोजनाओं के घर खरीदारों ने गुरुवार को सरकारी कंपनी एनबीसीसी की समाधान योजना पर विचार किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्हें निजी क्षेत्र की कंपनी पर भरोसा नहीं है। जेपी इन्फ्राटेक के वित्तीय कर्जदाता और घर खरीदार फिलहाल सुरक्षा रियल्टी की बोली पर मतदान कर रहे हैं। मतदान शुक्रवार को खत्म होगा। जेपी इन्फ्राटेक का अधिग्रहण करने की एनबीसीसी की योजना को सरकार ने मंजूरी दे दी है और एनबीसीसी ने मांग की है कि उसकी योजना पर फिर से विचार किया जाए। जेपी इन्फ्राटेक के कर्जदाताओं ने पहले एनबीसीसी की योजना को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि उसके साथ सरकार की मंजूरी नहीं है।

### स्टर्लिंग बायोटेक पर एनसीएलटी का आदेश सुरक्षित

**मुंबई :** नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने गुरुवार को स्टर्लिंग बायोटेक को कर्ज देने वाले बैंकों की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। बैंकों ने कंपनी की बैंक्रप्सी प्रक्रिया को वापस लेने और कंपनी के फरार प्रमोटर्स से एक बार में सेट्लमेंट करने के लिए याचिका दाखिल की है।

# वाणिज्य मंत्रालय ने नई सरकार के लिए मांगे सुझाव

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

▶ वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यात के नए लक्ष्य, नीतियों में बदलाव को मांगे सुझाव

▶ विदेश व्यापार नीति को लेकर भी मंत्रालय कर रहा तैयारी

नई सरकार के गठन का समय नजदीक आने के साथ ही विभिन्न मंत्रालयों में उसके लिए एजेंडा बनाने की कवायद शुरू हो गई है। वाणिज्य मंत्रालय ने नई विदेश व्यापार नीति और निर्यात के लक्ष्यों को लेकर विभिन्न उद्योग और निर्यात संगठनों से विचार विमर्श शुरू कर दिया है। मंत्रालय ने सबसे सुझाव मांगे हैं ताकि उन्हें सरकार के शुरुआती कामकाज के एजेंडा में शामिल किया जा सके।

विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बीते वित्त वर्ष के दौरान 331 अरब डॉलर मूल्य के निर्यात आंकड़ों से वाणिज्य मंत्रालय काफी उत्साहित है। इसलिए अगले वित्त वर्ष और आने वाले पांच वर्षों के लिए वह निर्यात के लक्ष्य में अच्छी खासी वृद्धि करने का इच्छुक है। सूत्र बताते हैं कि मंत्रालय ने सभी निर्यात संगठनों से पूछा है कि निर्यात के लिए सालाना संभावित लक्ष्य क्या हो सकता है। मंत्रालय इसके लिए 450-500 अरब डॉलर के विकल्प पर विचार कर रहा है। मंत्रालय ने सभी संगठनों से यह भी जानना चाहा है कि यदि इन विकल्पों के आधार पर निर्यात लक्ष्य तय किया जाता है तो उसके लिए नीतियों में किस तरह का बदलाव करना होगा। निर्यात के इन संभावित लक्ष्यों को तय करने का मतलब होगा कि निर्यात में सालाना 15 से 20 फीसद की वृद्धि करना। इसके लिए निर्यातकों को कई तरह के प्रोत्साहनों की आवश्यकता होगी। इसलिए मंत्रालय ने पूछा है कि ये प्रोत्साहन किस प्रकार के हो सकते हैं और मौजूदा नीतियों में क्या बदलाव किए जा सकते हैं।

इसके साथ साथ मंत्रालय ने पांच वर्षीय विदेश व्यापार नीति की तैयारी भी शुरू कर दी है। सरकार को इसी वर्ष नई नीति की घोषणा करनी है। विदेश व्यापार से जुड़े सभी पक्षों से इस संबंध में सुझाव मांगे गए हैं। चालू वित्त वर्ष के निर्यात लक्ष्य के अतिरिक्त पांच साल में निर्यात को कहां पहुंचाया जा सकता है, इस बारे में भी मंत्रालय ने सुझाव मांगे हैं। इसी लक्ष्य को आधार बनाकर मंत्रालय नई विदेश व्यापार नीति तैयार करना चाहता है ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थितियों के अनुरूप बदलाव किए जा सकें।

## समीक्षा

बीएसई का सेंसेक्स 50.12 अंकों की गिरावट के साथ 38,981.43 पर बंद, एनएसई का निफ्टी 23.40 अंक लुढ़ककर 11,724.75 पर आया

# अर्थव्यवस्था के फीके आंकड़ों पर निवेशक पड़े मंद

**मुंबई, प्रेट्र :** विदेशी बाजारों के मिले-जुले रुझानों और फीके आर्थिक आंकड़ों के बीच निवेशकों ने शेयर बाजार में बढ़-चढ़कर हिस्सा नहीं लिया, जिससे गुरुवार को बाजार में मामूली गिरावट रही। अप्रैल में वाहनों की बिक्री में तेजी नहीं दिखने से वाहनों शेयरों में गिरावट का रुझान रहा। रुपये में डॉलर के मुकाबले मजबूती रहने से आइटी शेयरों में भी बिक्री का माहौल रहा।

बीएसई का सेंसेक्स 50.12 अंकों की गिरावट के साथ 38,981.43 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 23.40 अंकों की गिरावट के साथ 11,724.75 पर बंद हुआ। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की मुख्य ब्याज दर में बदलाव नहीं होने से दुनियाभर के बाजारों में सुस्ती देखी गई। ताजा पीएमआइ रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल में भारत के मैन्यूफैक्चरिंग

सेक्टर का प्रदर्शन आठ महीने के निचले स्तर पर रहा। इसके साथ ही इस सेक्टर के नए कारोबार में भी सुस्ती गई।

सेंसेक्स में टाटा मोटर्स में सर्वाधिक 3.29 फीसद गिरावट रही। दूसरी ओर यस बैंक में सर्वाधिक 3.45 फीसद तेजी रही। शेयरखान के एडवायजरी प्रमुख हेमांग जानी ने कहा कि हम मतदान के आखिरी चरण में प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे में बाजार में भारी उतार-चढ़ाव जारी रहने का अनुमान है। इसके साथ ही क्रूड की महंगाई से देश की अर्थव्यवस्था दबाव में है। सेक्टरों के लिहाज से बीएसई के आइटी सेक्टर में सर्वाधिक 1.84 फीसद गिरावट रही। दूसरी ओर टेलीकॉम में सर्वाधिक 1.97 फीसद का उछाल रहा। बीएसई के मिडकैप में 0.61 फीसद और स्मॉलकैप में 0.21 फीसद गिरावट रही। एशिया के अन्य बाजारों में कोरिया और हांगकांग के बाजारों में तेजी रही। चीन और जापान के शेयर बाजार बंद रहे। यूरोपीय बाजारों के शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुझान रहा।

**जेट एयरवेज 12 फीसद लुढ़का**

**नई दिल्ली :** जेट एयरवेज को खरीदने के लिए बोली लगाने वालों में अधिक ललक नहीं दिखने की चर्चा के बीच कंपनी के शेयरों में बीएसई पर 12.04 फीसद गिरावट दर्ज की गई और ये 134.85 रुपये पर बंद हुए। दिनभर के कारोबार में इसने 20 फीसद से अधिक गिरावट के साथ 122 रुपये का निचला स्तर छू लिया, जो इसका 52 सप्ताह का निचला स्तर था। बाजार बंद होने के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) बीएसई पर 209.14 करोड़ रुपये घटकर 1,531.86 करोड़ रुपये रह गया।

**बेहतर तिमाही नतीजे से डीसीएम श्रीराम में सात फीसद मजबूती**

**नई दिल्ली :** बेहतर तिमाही नतीजे दर्ज करने के बाद डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के शेयर बीएसई पर 7.22 फीसद मजबूती के साथ 465 रुपये पर बंद हुए। कंपनी ने बुधवार को कहा था कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसका शुद्ध लाभ करीब छह गुना बढ़कर 293 करोड़ रुपये का रहा।

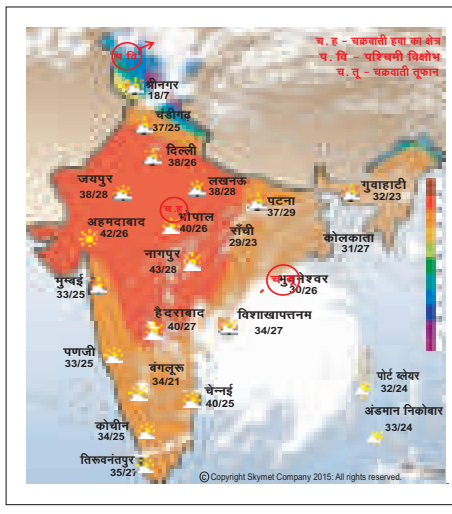


### मौसम विशेष

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान में मौसम शुष्क व काफी गर्म रहेगा। इन राज्यों में कुछ स्थानों पर गरज के साथ धूलभरी आंधी व हल्की वर्षा संभव है। जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर गरज और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा जारी रहेगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

| शहर | | शहर | |
|---|---|---|---|
| मुम्बई | 34/25/आंबा | अहमदाबाद | 41/25/आंबा |
| कोलकाता | 32/24/सा | बड़ौदा | 40/22/सा |
| चेन्नई | 39/26/आंबा | नागपुर | 42/28/आंबा |
| हैदराबाद | 41/26/सा | इन्दौर | 40/23/सा |
| बंगलूरू | 35/22/सा | रांची | 44/26/ध |
| त्रिवेन्द्रम | 36/28/आंबा | पटना | 45/26/सा |
| गुवाहाटी | 32/24/आंबा | जमशेदपुर | 44/27/आंबा |
| गंगटोक | 17/03/आंबा | पुणे | 31/21/ध |